05 फरवरी 2024

कमोडिटी मार्केट रिपोर्ट

smc
moneywise. be wise.

प्रमुख खबरें

- वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल द्वारा 31 जनवरी को जारी रिपोर्ट के अनुसार 2023 में वैश्विक स्तर पर सोने की मांग 5% गिरकर 4,448.4 मीट्रिक टन हो गई, लेकिन भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता के कारण 10 साल के औसत की तुलना में अधिक बनी रही।
- वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में भारत में सोने की खपत पिछले वर्ष की तुलना में 3% कम होकर 747.5 टन हो गई, और 2022 की तुलना में 2023 में सोने के आभूषणों की मांग 6% घटकर 562.3 टन रह गई।
- चीन की सोने की मांग 16 प्रतिशत बढ़कर 959 टन (2022 में 824 टन की तुलना में) हो गई, जिससे भारत सोने के सबसे बड़े उपभोक्ता बन गया और उनकी आभूषण मांग 10 प्रतिशत बढ़कर 630 टन (2022 में 571 टन की तुलना में) हो गई।
- वैश्विक स्तर पर कच्चे इस्पात का उत्पादन 2023 में पिछले वर्ष की तुलना में स्थिर रहा और 2022 में 1888.7 मिलियन टन के मुकाबले 1888.2 मिलियन टन का उत्पादन हुआ: वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन ।
- इस सप्ताह 150 प्रमुख भारतीय जलाशयों में से 43 प्रतिशत में जल भंडारण क्षमता के 50 प्रतिशत से कम हो गई जो लगातार 17वें सप्ताह गिरावट है: केंद्रीय जल आयोग।
- 1 अक्टूबर, 2023 से शुरू होने वाले चालू सीजन में भारत का चीनी उत्पादन (एथेनॉल के लिए निकाली गई मात्रा सहित) 10 प्रतिशत घटकर 33.05 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो पिछले सीजन में 36.62 मिलियन टन था: भारतीय चीनी मिल एसोसिएशन।
- सऊदी अरब की सरकारी कंपनी अरामको ने घोषणा की है कि वह अपनी कच्चे तेल उत्पादन क्षमता को 12 मिलियन बैरल प्रति दिन से बढ़ाकर 13 मिलियन बैरल प्रति दिन करने की योजना को रोक रहा है।
- नवंबर में अमेरिकी कच्चे तेल का उत्पादन बढ़कर 13.31 मिलियन बैरल प्रति दिन के नए मासिक रिकॉर्ड पर पहुंच गया है: ऊर्जा सूचना प्रशासन।

NCDEX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	25.01.24	01.02.24	बदलाव (%)
धान	4247.00	4266.00	0.45%
बाजरा	2299.00	2309.00	0.43%

MCX में सबसे अधिक बढने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	25.01.24	01.02.24	बदलाव (%)
सोना	61964.00	63665.00	2.75%
सोना एम	62036.00	63079.00	1.68%
सोना पेटल	6106.00	6157.00	0.84%
चांदी	71773.00	72218.00	0.62%
सोना गिनी	50113.00	50423.00	0.62%

NCDEX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	25.01.24	01.02.24	बदलाव (%)
हल्दी	16018.00	14568.00	-9.05%
ग्वारगम	10556.00	10104.00	-4.28%
कपास	1523.50	1477.50	-3.02%
धनिया	8020.00	7794.00	-2.82%
कॉटनऑयलसीडकेक	2554.00	2486.00	-2.66%

MCX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	25.01.24	01.02.24	बदलाव (%)
नेचुरल गैस	182.50	171.30	-6.14%
कच्चा तेल	6381.00	6206.00	-2.74%
लेड	182.65	181.95	-0.38%
तांबा	729.50	726.75	-0.38%
एल्युमीनियम	203.05	202.50	-0.27%

साप्ताहिक समीक्षा

सीआरबी सूचकांक साप्ताहिक स्तर पर गिरावट के साथ बंद हुआ । एमसीएक्स पर सोने की कीमतों में, जिसे हाल के कारोबार में 61500 के आसपास समर्थन मिला, कमजोर आर्थिक आंकड़ों और मध्य पूर्व में बढ़े तनाव के कारण उछाल दर्ज किया गया जबकि चांदी ने भी सोने की तेजी का अनुसरण किया, लेकिन इसकी बढ़त सीमित रही। सोने की कीमतें बढ़ीं, लेकिन फेडरल रिजर्व के यह कहने से कोई फर्क नहीं पड़ा कि वह ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा बनाए रखेगा, जबकि मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के बीच सुरक्षित निवेश के तौर पर खरीदारी से भी सोने की कीमतों को मदद मिली। सोने की आगे की बढ़त पर डॉलर में तेज उछाल से रोक लग गई, जो सात सप्ताह के उच्चतम स्तर के करीब कारोबार कर रहा है। कच्चे तेल की कीमतों को 6530 के आसपास रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ा और सप्ताह का अंत 6250 के करीब हुआ, जबकि नेचुरल गैस की कीमतें नरमी के रूझान के साथ बंद हुईं। इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम की निराधार रिपोर्टों और बिजली कटौती के कारण एक बड़ी अमेरिकी रिफाइनरी को बंद करने के बाद आज तेल की कीमतों में 2% से अधिक की गिरावट हुई। इस बीच कथित तौर पर हमास को शेष बंधकों को रिहा करने के बदले में गाजा में लड़ाई को विस्तारित विराम देने का पहला प्रस्ताव मिला। ओपेक+ ने पहले गुरुवार को एक बैठक की, जो 2024 की पहली बड़ी बैठक थी, लेकिन समूह द्वारा उत्पादन नीति में बदलाव को अपने एजेंडे से हटाने के बाद कीमतों पर सीमित प्रभाव पड़ा। ऐसा प्रतीत होता है कि कार्टेल के पास अब उत्पादन में अधिक कटौती करने और तेल की कीमतों को समर्थन देने की गुंजाइश सीमित है। लेड और एल्युमीनियम को छोड़कर बेस मेटल का प्रदर्शन कमजोर रहा। लेड और एल्युमीनियम तेजी के रुझान के साथ साइडवेज बंद होने में कामयाब रहे। नए ऑर्डरों में उछाल के बीच जनवरी में अमेरिकी मैनुफैक्चरिंग स्थिर हो गया, लेकिन फैक्ट्री गेट की मुद्रास्फीति बढ़ गई। चाइना नॉनफेरस मेटल्स इंडस्ट्री एसोसिएशन के अनुसार, चीन में तांबे की खपत 2023 में लगभग 4.5% बढ़ी, क्योंकि नवीकरणीय क्षेत्र की बढ़ती मांग ने आवास क्षेत्र में कमी की भरपाई कर दी।

कृषि कमोडिटीज में, अरंडी की कीमतें सप्ताह के अंत में गिरावट के साथ बंद हुईं। कॉटनऑयलसीडकेक की कीमतों में लगातार पांचवें हफ्ते गिरावट जारी रही और कीमतें 2500 के स्तर से नीचे बंद हुईं। भारत में कम उत्पादन अनुमान के कारण एमसीएक्स पर कॉटन कैंडी को 55000 के करीब समर्थन मिला, जो इस सप्ताह 58000 के करीब बंद हुआ। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) के अनुसार, 2023-24 सीजन में कपास का उत्पादन लगभग 8 प्रतिशत घटकर 294.10 लाख गांठ रह सकता है। कपास की आवक की गति में वृद्धि हुई है और 1 फरवरी को लगभग 1.97 लाख गांठ की आवक हुई है, जबकि वर्ष 2023-24 में अब तक कुल आवक 143 लाख गांठ तक पहुंच गई है। लेकिन, कपास की कीमतों में छठे सप्ताह गिरावट जारी रही। ग्वारगम और ग्वारसीड दोनों में मंदी वाला सप्ताह रहा। भारत ने ग्वारमील और ग्वारगम के रूप में कुल लगभग 65.03 हजार टन ग्वार निर्यात किया है, जो कि साल-दर-साल 9% कम है। मसाला बाजार में, जीरा की कीमतें ऊंचे स्तर को बरकरार रहने में विफल रही और 27000 के नीचे बंद हुईं। भारत ने अप्रैल-23-नवंबर-23 के दौरान लगभग 76.3 हजार टन जीरा निर्यात किया, जो पिछले वर्ष के 115.75 हजार टन की तुलना में साल-दर-साल 34% कम है। नयी आवक के कारण हल्दी को मंदी के दबाव का सामना करना पड़ा और धनिया वायदा की कीमतें भी गिरावट के साथ बंद हुईं। सूरजमुखी ऑयल वायदा को 870-875 के करीब रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ा, जबकि मेंथा ऑयल की कीमतों में सीमित वृद्धि दर्ज की गई।

हाजिर कीमतें

कमोडिटी	स्थान	26.01.2024	01.02.2024	बदलाव(%)
जौ	जयपुर	2082.40	2075.80	-0.32%
चना	दिल्ली	5920.00	5999.90	1.35%
धनिया	कोटा	7407.20	7276.80	-1.76%
क्रूड पॉम ऑयल	कांडला	810.30	794.90	-1.90%
गुड़	मुजफ्फरपुर	1415.45	1416.30	0.06%
ग्वारसीड	जोधपुर	5454.35	5307.80	-2.69%
ग्वारगम	जोधपुर	10552.15	10254.75	-2.82%
जीरा	ऊंझा	32407.00	32493.40	0.27%
सरसों	जयपुर	5599.60	5504.70	-1.69%
रिफाइंड सोया तेल	मुंबई	910.00	880.00	-3.30%
सोयाबीन	इंदौर	4823.60	4651.05	-3.58%
हल्दी	निजामाबाद	13829.35	13675.25	-1.11%
गेहूं	दिल्ली	2650.00	2646.80	-0.12%
कॉटन	कड़ी	26819.45	26604.35	-0.80%
कॉटनऑयलसीडकेक	अकोला	2613.25	2534.90	-3.00%

LME/ COMEX/ NYMEX में धातुओं की कीमत (डॉलर में)

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	26.01.2024	01.02.2024	बदलाव(%)
एल्युमीनियम	LME	नकद	2274.50	2247.00	-1.21%
तांबा	LME	नकद	8545.50	8534.50	-0.13%
लेड	LME	नकद	2164.00	2151.50	-0.58%
निकल	LME	नकद	16785.00	16230.00	-3.31%
जिंक	LME	नकद	2577.50	2478.00	-3.86%
सोना	COMEX	मार्च	2017.30	2061.20	2.18%
चांदी	COMEX	अप्रैल	22.87	23.35	2.08%
लाइट क्रूड	NYMEX	मार्च	78.01	73.82	-5.37%
नेचुरल गैस	NYMEX	मार्च	2.18	2.06	-5.10%

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमोडिटी की कीमतें

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	26.01.2024	01.02.2024	बदलाव (%)
सोयाबीन	CBOT	मार्च	1,216.25	1,213.75	-0.21%
सोया तेल	CBOT	मार्च	47.49	46.08	-2.97%
कॉटन	ICE	मार्च	84.37	86.49	2.51%
सीपीओ	BMD	अप्रैल	4,017.00	3,767.00	-6.22%

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (NCDEX)

कमोडिटी	यूनिट	24.01.2024 क्वांटिटी	01.02.2024 क्वांटिटी	अंतर
कॉटन	मी.टन	16067	16067	0
बाजरा	मी.टन	543	543	0
कैस्टर सीड	मी.टन	4960	4841	-119
धनिया	मी.टन	4446	3042	-1404
कॉटनऑयलसीडकेक	मी.टन	28239	30479	2240
ग्वारगम	मी.टन	25756	25100	-656
ग्वारसीड	मी.टन	26010	26766	756
जीरा	मी.टन	113	113	0
स्टील	मी.टन	707	696	-11

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (MCX)

कमोडिटी	यूनिट	25.01.2024 क्वांटिटी	01.02.2024 क्वांटिटी	अंतर
एल्युमीनियम	मी.टन	1800	2601	801
तांबा	मी.टन	3378152	3217744	-160408
सोना	किग्रा	334	329	-5
सोना मिनी	किग्रा	2456	2456	0
सोना गिनी	किग्रा	81700	67700	-14000
लेड	किग्रा	0	0	0
चांदी (30 किग्रा बार)	किग्रा	122115	155624	33509
चांदी एम	किग्रा	39118	39118	0
जिंक	मी.टन	0	0	0

LME में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति(टन में)

कमोडिटी	स्टॉक की स्थिति 26.01.2024	स्टॉक की स्थिति 01.02.2024	अंतर
एल्युमीनियम	542750	535575	-7175.00
तांबा	150350	145425	-4925.00
निकल	69240	71148	1908.00
लेड	110650	120325	9675.00
जिंक	190925	198875	7950.00

ट्रेंड शीट

एक्सचेंज	कमोडिटी	कांट्रेक्ट	बंद* भाव	ट्रेंड बदलाव की तिथि	ट्रेंड	भाव के ट्रेंड में बदलाव	सपोर्ट	रेजिस्टेंस	क्लोजिंग स्टॉप लास
NCDEX	जीरा	मार्च	27295.00	10.10.23	मंदी	25500.00	23500.00	-	23200.00
NCDEX	हल्दी	अप्रैल	14568.00	18.01.24	तेजी	13900.00	14000.00	-	13900.00
NCDEX	ग्वारसीड	फरवरी	5309.00	28.01.24	तेजी	5200.00	5330.00	-	5300.00
NCDEX	कैस्टरसीड	फरवरी	5740.00	18.01.24	तेजी	5650.00	5570.00	-	5550.00
NCDEX	सुरजमुखी तेल	फरवरी	849.20	30.01.24	तेजी	872.00	-	875.00	880.00
NCDEX	स्टील लांग	फरवरी	43190.00	27.09.23	मंदी	46300.00	-	44700.00	44750.00
NCDEX	कॉटनऑयलसीडकेक	फरवरी	2484.00	14.12.23	मंदी	2450.00	2400.00	-	2310.00
MCX	मेंथा ऑयल	फरवरी	927.50	27.09.23	मंदी	960.00	-	960.00	965.00
MCX	बुलडेक्स	फरवरी	16223.00	10.10.23	तेजी	15000.00	15840.00	-	15800.00
MCX	चांदी	मार्च	72218.00	10.10.23	तेजी	69000.00	70800.00	-	70500.00
MCX	सोना	अप्रैल	62965.00	10.10.23	तेजी	57500.00	62130.00	-	62000.00
MCX	**तांबा**	**फरवरी**	**726.75**	**25.01.24**	**मंदी**	**737.00**	**-**	**740.00**	**742.00**
MCX	लेड	फरवरी	181.95	28.11.23	साइडवेज	187.00	175.00	190.00	-
MCX	**जिंक**	**फरवरी**	**220.90**	**25.01.24**	**मंदी**	**230.00**	**-**	**232.00**	**236.00**
MCX	**एल्युमिनियम**	**फरवरी**	**202.50**	**25.01.24**	**मंदी**	**206.00**	**-**	**207.00**	**207.50**
MCX	कच्चा तेल	फरवरी	6202.00	18.01.24	तेजी	6500.00	-	6550.00	6600.00
MCX	नेचुरल गैस	फरवरी	171.30	18.01.24	मंदी	235.00	-	185.00	190.00

*01/02/2024 का बंद भाव

नोट: 1. कभी-कभी आप पाओगे कि स्टॉप लॉस बहुत अधिक है लेकिन यदि हम स्टॉप लॉस को एक बार बदल दें तो हमें कमोडिटी में मजबूती आती दिखेगी ।उस स्थिति में स्टॉप लॉस अधिक होगा क्योंकि हम सप्ताहिक आधार पर ग्राफ को देखते है और लम्बे समय तक के रूझानों को लेते है।

2. इस सप्ताहिक ट्रेंड का मिलान रोजाना के ट्रेंड से नहीं किया जाना चाहिए जिसे प्रतिदिन सुबह को मार्निंग रिपोर्ट के नाम से ई मेल किया जाता है।

टेक्निकल सुझाव

तांबा (फरवरी) एमसीएक्स

तांबा (फरवरी) एमसीएक्स **उच्चस्तर: 745.85** **निचला स्तर: 718.00**

एमसीएक्स में तांबा (फरवरी) कॉन्ट्रैक्ट 01 फरवरी 2024 को 726.25 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 720.20 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 43.66 है। दोनों ही इंडिकेटर बिकवाली का संकेत दे रहे हैं।

737.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 711.00 रू के टारगेट के लिए 727.00 रू के नजदीक बिकवाली की जा सकती है।

कॉटनऑयलसीडकेक (मार्च) एनसीडीईएक्स

कॉटनऑयलसीडकेक (मार्च) एनसीडीईएक्स **उच्च स्तर: 2934.00** **निचला स्तर: 2486.00**

एनसीडीईएक्स में कॉटनऑयलसीडकेक (मार्च) कॉन्ट्रैक्ट 01 फरवरी 2024 को 2521.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 2641.00 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 32.57 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

2400.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 2700.00 रू के टारगेट के लिए 2500.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

ग्वारसीड (मार्च) एनसीडीईएक्स

ग्वारसीड (मार्च) एनसीडीईएक्स **उच्चस्तर: 5762.00** **निचला स्तर: 5318.00**

एनसीडीईएक्स में ग्वारसीड (मार्च) कॉन्ट्रैक्ट 01 फरवरी 2024 को 5365.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 5473.60 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 40.90 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

5150.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 6000.00 रू के टारगेट के लिए 5350.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

अगले सप्ताह में बाजार का रुख

मसाले

आने वाले हफ्तों में आपूर्ति बढ़ने की उम्मीद के कारण वायदा मंच पर हल्दी की कीमतों में तेज मुनाफावसूली देखी गई। निजामाबाद बाजार में वायदा और हाजिर कीमतों के बीच कीमत का अंतर 500-1000 के सामान्य मूल्य के मुकाबले 2200 तक बढ़ गया, जिससे वायदा कीमतों में तेज गिरावट हुई। इसके विपरीत, स्थानीय बाजार में खरीदारी बढ़ने से हाजिर कीमतें मजबूत रहीं। नई फसल की कटाई में देरी के कारण निजामाबाद बाजार में आपूर्ति कम रही। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में कटाई गतिविधियों में देरी के कारण आवक की गति धीमी हो गई है। कुल उत्पादन में गिरावट की आशंका से हल्दी की खरीदारी गतिविधियां बढ़ गई हैं क्योंकि पैदावार में गिरावट के बीच हल्दी के कम उत्पादन क्षेत्र के कारण उत्पादन में लगभग 20% की गिरावट होने की संभावना है। नवंबर में निर्यात में गिरावट आई क्योंकि भारत ने नवंबर-23 में पिछले वर्ष के 12.39 हजार टन के मुकाबले केवल 8.58 हजार टन हल्दी का निर्यात किया, जिसमें अप्रैल-नवंबर-23 के दौरान कुल निर्यात पिछले वर्ष के 111.94 हजार टन की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष 1% की कमी के साथ 110.74 हजार टन हुआ है। सीजन के अनुसार निर्यात बढ़ने की संभावना है जिससे कीमतों में और मजबूती आएगी। लेकिन आने वाले हफ्तों में नई फसल जल्द ही बाजार में आने की संभावना है, जिससे बढ़त सीमित हो सकती है। निकट भविष्य में हल्दी की कीमतों को 16200/16800 के करीब रेजिस्टेंस का सामना करने की उम्मीद है जबकि 13600 के करीब सपोर्ट मिलने की उम्मीद है।

अधिक उत्पादन अनुमान के कारण जीरा वायदा में गिरावट का रुख रहा। लगातार गिरावट के बाद निर्यात संभावनाओं में सुधार से कीमतों में बढ़त देखने को मिल सकती है। जीरा की कीमतें प्रतिस्पर्धी हो गई हैं, जिससे निर्यातक मौजूदा दरों पर जीरा खरीदने के लिए आकर्षित हुए हैं। जीरा के निर्यात के मौसम से पता चलता है कि मार्च-अप्रैल में त्योहारों के मद्देनजर मजबूत मांग की संभावनाओं के कारण फरवरी-मार्च के दौरान निर्यात मांग अधिक रहती है। उपलब्धता कम होने के कारण वर्ष 2023-24 में अब तक जीरा का निर्यात कम रहा है। वर्ष 2023 में अधिकांश समय जीरे की कीमतों में अभूतपूर्व तेजी के साथ निर्यात अनाकर्षक रहा। भारत ने अप्रैल-23-नवंबर-23 के दौरान लगभग 76.3 हजार टन जीरा निर्यात किया, जो पिछले वर्ष के 115.75 हजार टन की तुलना में साल-दर-साल 34% कम है। नवंबर-23 में निर्यात पिछले वर्ष के 11.7 हजार टन के मुकाबले घटकर 6.2 हजार टन रह गया। बंपर फसल की उम्मीद में बढ़त सीमित रहने की संभावना है। वर्ष 2024-25 में उत्पादन क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण कुल उत्पादन में साल-दर-साल 30% की वृद्धि होने की उम्मीद है। जीरा की कीमतों के 23500-34500 के दायरे में रहने की संभावना है।

बाजार में स्टॉक अधिक होने के कारण धनिया की कीमतों में नरमी रही। राजस्थान और मध्य प्रदेश में मौसम की अनुकूल स्थिति के कारण फसल की बेहतर संभावनाओं का बाजार के सोंटीमेंट पर असर पड़ा। कमजोर उत्पादन अनुमान के कारण धनिया में घाटा सीमित रहने की संभावना है। उत्पादन क्षेत्र और उपज में गिरावट के कारण उत्पादन में साल-दर-साल लगभग 10-15% की कमी आने की संभावना है। इसके अलावा मजबूत निर्यात मांग से भी कीमतों को समर्थन मिल सकता है। भारत ने नवंबर-23 में पिछले वर्ष के 2.4 टन की तुलना में लगभग 3. 05 हजार टन धनिया का निर्यात किया, जबकि अप्रैल-23-नवंबर-23 के दौरान कुल निर्यात पिछले वर्ष के 21.3 हजार टन के मुकाबले 73.18 हजार टन दर्ज किया गया, जो कि साल-दर-साल 243% अधिक है। लेकिन, आने वाले हफ्तों में नई आवक शुरू होने की संभावना है जिससे बढ़त सीमित रहने की संभावना है। धनिया की कीमतों के 7500-8430 के दायरे में रहने की संभावना है।

अन्य कमोडिटीज

वैश्विक बाजार में तेजी के रूझान पर कपास की कीमतों में मजबूती के साथ कारोबार हुआ है। अमेरिकी बाजार में स्टॉक कम होने के कारण आईसीई में कॉटन की कीमतें बढ़ीं। घरेलू फंडामेंटल के भी कीमतों के लिए सहायक बने रहने की संभावना है क्योंकि आने वाले हफ्तों में आवक की गति धीमी होगी क्योंकि अक्टूबर-23 से अब तक लगभग 50% फसल बाजार में आ चुकी है। 1 फरवरी 23 तक कुल आवक 147 लाख गांठ हुई है। आवक की गति अब तक पिछले वर्ष के समान ही रही है, लेकिन वर्ष 2023-24 में कमजोर उत्पादन अनुमान के कारण धीमी होने की संभावना है। कपास का रकबा कम होने के कारण बाजार वर्ष 2023-24 में कपास उत्पादन में साल-दर-साल 2% की गिरावट होने की संभावना है। वर्ष 2023-24 में कपास का उत्पादन पिछले 15 वर्षों में सबसे कम होने का अनुमान है जो आपूर्ति की कमी के रूप में प्रतिबिंबित होगा। भारतीय कपास निगम ने वर्ष 2023-24 में अब तक लगभग 20 लाख गांठ की खरीद की है। एमसीएक्स पर कॉटन की कीमतों के 55500-59000 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है। इसी तरह, कपास (अप्रैल-24) वायदा की कीमतों में 1430-1540 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

आपूर्ति संबंधी चिंताओं के कारण कॉटनऑयलसीडकेक की कीमतों में बढ़ोतरी की उम्मीद है। कताई गतिविधियों में मंदी और कपास के कम उत्पादन से वर्ष 2024 में कुल आपूर्ति कम रहेगी। कॉटनऑयलसीडकेक की कीमतों के 2400-2780 के दायरे में रहने की संभावना है।

बाजार में आवक की धीमी गति के कारण ग्वारसीड वायदा कीमतों में तेजी के रूझान के साथ मिला-जुला कारोबार होने की उम्मीद है। हाल ही में कीमतों में गिरावट के साथ आवक में गिरावट हुई है और इस गिरावट से पेराई मार्जिन बेहतर होने के कारण मिलों द्वारा मौजूदा दरों पर खरीद के लिए बढ़ावा मिलने की संभावना है। वर्ष 2023-24 में ग्वारसीड का कुल उत्पादन साल-दर-साल 11%-13% कम हो गया है। उत्पादन में इस कमी के परिणामस्वरूप मिल मालिकों के पास भंडार का स्तर कम हो गया है। लेकिन ग्वार गम की धीमी निर्यात मांग से अत्यधिक बढ़त पर रोक लग सकती है क्योंकि भारत से ग्वारमील निर्यात नवंबर-23 में साल-दर-साल 53% कम हो गया है जबकि ग्वारगम निर्यात 21% गिरकर 14.93 हजार टन हो गया। भारत ने ग्वारमील और ग्वारगम के रूप में कुल लगभग 65.03 हजार टन ग्वार निर्यात किया है, जो साल-दर-साल 9% कम है। ग्वारसीड की कीमतों को 5200 के आसपास सपोर्ट मिलने की उम्मीद है, जबकि रेजिस्टेंस 5900 पर देखा जा सकता है। इसी तरह, ग्वारगम की कीमतों को 9600 पर सपोर्ट रहने की संभावना है जबकि रेजिस्टेंस 11000 पर देखा जा सकता है।

मांग संबंधी चिंताओं के कारण मेंथा ऑयल की कीमतों के नरमी के रूझान के साथ कारोबार करने की संभावना है। मेंथा ऑयल और मेन्थॉल के सुस्त निर्यात की रिपोर्ट से कीमतों पर दबाव रहेगा। औद्योगिक मांग कम होने से घरेलू खरीदारी भी कम हो गई है. भारत ने अप्रैल 23-अक्टूबर 23 के दौरान लगभग 7.3 हजार टन मेन्थॉल का निर्यात किया, जबकि पिछले वर्ष के 8.6 हजार टन की तुलना में यह साल-दर-साल 15% कम है। मेंथा ऑयल वायदा की कीमतों को 895 के करीब सपोर्ट मिलने की संभावना है और 950 पर रेजिस्टेंस रह सकता है।

बाजार में आपूर्ति कम होने के कारण अरंडी की कीमतों में बढोतरी होने की संभावना है। आवक कम हो गई है क्योंकि किसान कीमतों में और वृद्धि की उम्मीद में अपना स्टॉक जारी करने में अनिच्छुक हैं। भारत ने अप्रैल 23-दिसबर 23 के दौरान लगभग 296.5 हजार टन अरंडी का निर्यात किया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 282 हजार टन निर्यात हुआ था। अरंडी वायदा की कीमतों के 5400-6000 के दायरे में रहने की संभावना है।

सर्राफा

एमसीएक्स में सोने की कीमतों में, जिसे हाल के कारोबार में 61500 के आसपास समर्थन मिला, कमजोर आर्थिक आंकड़ों और मध्य पूर्व में बढ़े तनाव के कारण उछाल दर्ज किया गया जबकि चांदी ने सोने की तेजी का अनुसरण किया, लेकिन इसकी बढ़त सीमित रही। चांदी इस सप्ताह 72000 के स्तर के ठीक ऊपर बंद हुई। सोने की कीमतें बढ़ीं, और फेडरल रिजर्व के यह कहने से कोई फर्क नहीं पड़ा कि वह ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा बनाए रखेगा, जबकि मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के बीच सुरक्षित निवेश के तौर पर खरीदारी से भी सोने की कीमतों को मदद मिली। सोने की आगे की बढ़त को डॉलर इंडेक्स ने रोक लिया, जो अभी भी 102 के स्तर से ऊपर कारोबार कर रहा है। लेकिन, फेड के समर्थन के बावजूद डॉलर इंडेक्स में चार सप्ताह की लगातार तेजी पर विराम लगा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों को 5.5% पर अपरिवर्तित रखा है और जब तक मुद्रास्फीति 2% के करीब नहीं पहुंच जाती तब तक इसमें कटौती की उम्मीद नहीं है। 2024 की कठिन शुरुआत के बाद सोने में भी सुधार आया है, कीमतों में 1.2% की गिरावट हुई है क्योंकि बाजार ने मार्च में ब्याज दर में कटौती की उम्मीदों पर लगातार मूल्य निर्धारण करना शुरू कर दिया है। निकट अवधि में अमेरिकी दरें ऊंची रहने की उम्मीद है, लेकिन दरों में अंततः गिरावट की संभावना-जिसे इस सप्ताह की शुरुआत में एक बैठक में फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने भी चिह्नित किया था- सर्राफा कीमतों के लिए अच्छा संकेत है। बेहतर मांग के कारण चांदी की कीमतों को 22 डॉलर का मजबूती से समर्थन मिल सकता है। 2024 में वैश्विक स्तर पर चांदी की कमी 9% कम होकर 176 मिलियन ट्रॉय औंस होने का अनुमान है, और खदान उत्पादन में 4% की रिकवरी से बढ़ती मांग की भरपाई होगी। सोने और चांदी की कीमतों के क्रमशः 62000-65000 और 68500-74500 के दायरे में कारोबार करने की उम्मीद है।

एनर्जी कॉम्पलेक्स

कच्चे तेल की कीमतें उच्च अस्थिरता के साथ व्यापार कर सकती हैं क्योंकि ओपेक के उत्पादन में कटौती नहीं करने के फैसले और चीन की वृद्धि के बारे में सकारात्मक भविष्यवाणियों से कीमतों को समर्थन मिल सकता है, जबकि इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम, गैर-ओपेक उत्पादन में वृद्धि और कच्चे तेल का प्रमुख आयातक चीन में सुस्त आर्थिक गतिविधियों की रिपोर्ट से कीमतों में गिरावट हो सकती है। बाजार रिपोर्टों में कहा गया है कि मध्य पूर्व क्षेत्र में युद्धविराम से लाल सागर मार्ग में हौथिस द्वारा व्यापारिक जहाजों पर हमलों में कमी आ सकती है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने मंगलवार को इस साल चीन की वृद्धि दर का अनुमान अक्टूबर के 4.2% से बढ़ाकर 4.6% कर दिया, लेकिन संपत्ति सेक्टर में गिरावट, स्थानीय सरकारी ऋण जोखिम, अपस्फीति दबाव और कमजोर वैश्विक मांग को देखते हुए इस सुधार के बारे में अभी भी संदेह है। जेपी मॉर्गन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि चीन इस साल वैश्विक स्तर पर तेल की मांग में वृद्धि को लेकर सबसे बड़ा योगदानकर्ता बना रहेगा। जेपी मॉर्गन का अनुमान है कि पिछले साल 1.2 मिलियन बैरल/दिन की वृद्धि के बाद 2024 में तेल की मांग 530,000 बैरल प्रति दिन बढ़ जाएगी। मध्य पूर्व में, लाल सागर में नौवहन पर यमन स्थित हौथी बलों के हमलों की चिंता अब लागत बढ़ रही है और वैश्विक तेल व्यापार को बाधित कर रही है। आगामी दिनों में, तेल की कीमतों के बढ़ी हुई अस्थिरता के साथ एक व्यापक दायरे में व्यापार करने की उम्मीद है, और कीमतें 5900 और 6400 के दायरे के बीच कारोबार कर सकती है। फरवरी के मध्य तक सामान्य से अधिक गर्म मौसम बने रहने का संकेत देने वाले पूर्वानुमानों के कारण सप्ताह में नेचुरल गैस में गिरावट हुई। इस सप्ताह उत्पादन में तेजी से गिरावट और अगले सप्ताह मांग में वृद्धि के पूर्वानुमान के बावजूद, लंबे समय तक गर्म रहने की स्थिति के कारण हीटिंग की मांग कम रहने की उम्मीद है। नेचुरल गैस की कीमतें 160-190 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं।

बेस मेटल

मार्च में अमेरिकी दर में कटौती नहीं होने के संकेतों के कारण बेस मेटल की कीमतों में नरमी के रूझान के साथ साइडवेज कारोबार करने की संभावना हैं, लेकिन कम आपूर्ति और शीर्ष उपभोक्ता चीन से सकारात्मक आंकड़ों से कीमतों को कुछ समर्थन मिल सकता हैं। गुरुवार को जारी सर्वेक्षणों से पता चलता है कि वैश्विक स्तर पर कारखानों ने 2024 की शुरुआत में काफी हद तक खराब प्रदर्शन किया, क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका में नए ऑर्डरों में तेजी आई है, लेकिन चीन की ओर से कमजोर मांग ने एशिया की अर्थव्यवस्थाओं को अस्थिर स्थिति में छोड़ दिया और लाल सागर में शिपिंग में व्यवधान के कारण यूरोप को डिलीवरी में देरी हुई। तांबें की कीमतें 710-735 के दायरे में कारोबार कर सकती है। चीन के आधिकारिक पीएमआई आंकड़ों से पता चलता है कि फैक्ट्री गतिविधि में लगातार चौथे महीने कमी हुई है, जिससे निवेशकों में निराशा और चीन की आर्थिक वृद्धि में एक महत्वपूर्ण मोड़ को लेकर अनिश्चितता पैदा हुई है। चाइना नॉनफेरस मेटल्स इंडस्ट्री एसोसिएशन के अनुसार, दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में तांबे की खपत 2023 में लगभग 4.5% बढ़ी, क्योंकि नवीकरणीय क्षेत्र की बढ़ती मांग ने आवास क्षेत्र में कमी की भरपाई कर दी। ग्लेनकोर ने कहा कि उसने 2023 में 1.01 मिलियन मीट्रिक टन तांबे का उत्पादन किया, जो 2022 से 5% और इसके पिछले मार्गदर्शन 1.04 मिलियन टन की तुलना में कम है । जिंक की कीमतें 212-230 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। लेड की कीमतें 178-184 के दायरे में कारोबार कर सकती है। एल्युमीनियम की कीमतें 197-210 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। चीन में कच्चे एल्युमीनियम का आयात साल-दर-साल दोगुना से अधिक हो गया, जो 2023 में 1.54 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंच गया और सदी की शुरुआत के बाद से दूसरा सबसे बड़ा वार्षिक आयात है। 2023 में जापान में प्राथमिक एल्युमीनियम का आयात 26% गिरकर 1.03 मिलियन मीट्रिक टन हो गया, जो कम से कम 1986 के बाद से सबसे कम आंकड़ा है। इस गिरावट का कारण निर्माण और मैनुफैक्चरिंग उद्योगों में धीमी मांग है। स्टील लॉन्ग (फरवरी) वायदा की कीमतें नरमी के रूझान के साथ 42200-44000 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच सोने की मांग बरकरार

- भू-राजनीतिक अनिश्चितता, महामारी से संबंधित परिस्थिति और वैश्विक आर्थिक मंदी के संकट के समय में अपने पैसे को निवेश करने और अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने के लिए सोना हमेशा से निवेशकों के बीच प्रमुख पसंद होता है। वर्तमान समय में हो रहे संघर्ष, व्यापार को लेकर तनाव और दुनिया भर में 60 से अधिक देशों में हो रहे चुनावों से इस साल मांग को समर्थन मिलने और ऊंची कीमतों एवं आर्थिक मंदी के बीच आभूषणों की खरीदारी पर संभावित असर की भरपाई होने की संभावना है।
- वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल द्वारा 31 जनवरी को जारी रिपोर्ट के अनुसार 2023 में वैश्विक स्तर पर सोने की मांग 5% गिरकर 4,448.4 मीट्रिक टन हो गई, लेकिन भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता के कारण 10 साल के औसत की तुलना में अधिक बनी रही।
- रिपोर्ट के मुताबिक, सेंट्रल बैंकों द्वारा खरीदारी में भी तेजी बनी रही। 2023 में इस क्षेत्र की ओर से कुल मांग 1,037.4 टन तक पहुंच गई, जो 2022 के रिकॉर्ड मांग से 4% कम है।
- डब्ल्यूजीसी के अनुसार 2023 में, चीन में कोविड के बाद मांग में 17% की वृद्धि और सोने की ऊंची कीमतों के बावजूद आभूषणों की खपत 2,092.6 टन पर स्थिर रही।
- यूरोपीय मांग में लगातार गिरावट के कारण सोने के बार्स और सिक्कों की खरीदारी में 3% की गिरावट हुई है जबकि निवेशकों के लिए बुलियन का भंडारण करने वाले एक्सचेंज ट्रेडेड फंडों से निकासी लगातार तीसरे वर्ष जारी रही और 244.4 टन की गिरावट हुई ।
- इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए सोने की मांग में चौथी तिमाही में रिकवरी के बावजूद, प्रौद्योगिकी में उपयोग किए जाने वाले सोने की वार्षिक मात्रा पहली बार 300 टन से कम हो गई।
- चौथी तिमाही में 1,150 टन सोने की मांग पांच साल के औसत से 8% अधिक है। लेकिन 2022 की चौथी तिमाही में 1,303 टन के रिकॉर्ड की तुलना में यह साल-दर-साल 12% कम है।
- वार्षिक स्तर पर खदानों से उत्पादन साल-दर-साल 1% बढ़कर 3,644 टन हो गया, लेकिन 2018 के रिकॉर्ड से कम हो गया। सोने की ऊंची कीमतों के कारण पूरे साल की रीसाइक्लिंग में बढ़ोतरी हुई जो बढ़कर 1,237 टन (+9% वर्ष-दर-वर्ष) हो गई। परिणामस्वरूप कुल सोने की आपूर्ति वर्ष-दर-वर्ष 3% अधिक रही।
- **भारत में सोने की मांग**
- वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में भारत में सोने की खपत पिछले वर्ष की तुलना में 3% कम होकर 747.5 टन हो गई, क्योंकि मूल्य वृद्धि ने आभूषणों की बिक्री को कम कर दिया।
- डब्ल्यूजीसी के आंकड़ों से पता चलता है कि 2023 में सोने के आभूषणों की मांग 2022 की तुलना में 6% गिरकर 562.3 टन रह गई।
- लेकिन, इस वर्ष सोने की निवेश मांग में सुधार देखा गया, जो 7% बढ़कर 185.2 टन हो गई, क्योंकि उपभोक्ताओं ने कीमतों में बढ़ोतरी के बीच निवेश का अच्छा अवसर देखा।
- सोने की बार्स और सिक्कों की मांग साल-दर-साल 7% बढ़कर 185 टन हो गई। 2023 की अक्टूबर-दिसंबर अवधि में मांग 67 टन तक पहुंच गई, जो पांच साल के तिमाही औसत से 64% अधिक है।
- 2023 की आखिरी तिमाही में, सोने की स्थानीय खपत 266.2 टन रही, जो एक साल पहले की तुलना में 4% कम है।

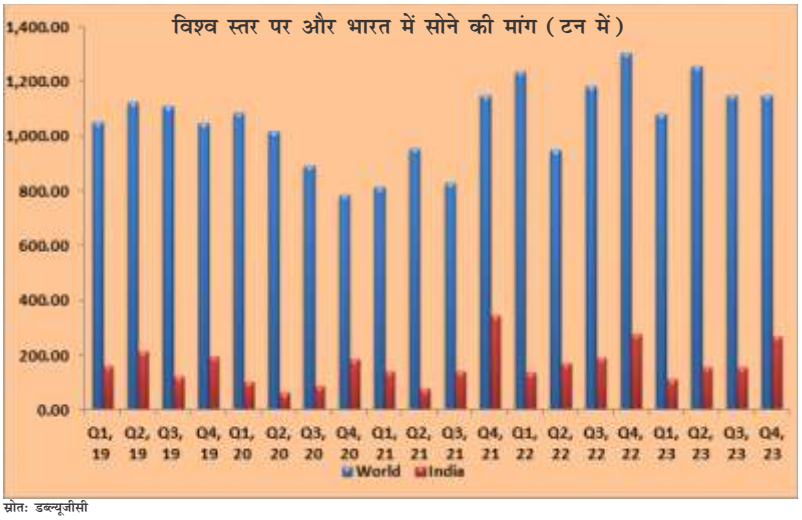

स्रोत: डब्ल्यूजीसी

2023 में सोने की मांग में अस्थायी गिरावट के बावजूद, मौजूदा बाजार स्थितियों को देखते हुए, विश्व स्वर्ण परिषद का दृष्टिकोण तेजी का बना हुआ है, जो केंद्रीय बैंकों और अस्थिर दुनिया में स्थिरता चाहने वाले निवेशकों दोनों के लिए सोने के लगातार आकर्षण का अहम कारक है। वैश्विक स्तर पर सोने के ईटीएफ में जारी प्रारंभिक गिरावट में वर्ष के मध्य तक दर में प्रत्याशित कटौती और निरंतर भू-राजनीतिक जोखिम के कारण बदलाव देखने की संभावना है। बार और सिक्के की मांग बेहतर रहने और 10 साल के औसत के अनुरूप रहने की संभावना है, क्योंकि चीन और भारतीय मांग की ताकत यूरोपीय कमजोरी की भरपाई करती है। योजनाबद्ध विस्तार और उच्च ग्रेड के साथ प्राथमिक उत्पादन को नई ऊंचाई पर ले जाने से कुल आपूर्ति बढ़ने की संभावना है, लेकिन व्यवधानों से गिरावट का जोखिम एक कारक बना रह सकता है। रीसाइक्लिंग में वृद्धि की उम्मीद है, क्योंकि चीन में प्रोत्साहन उपायों से आर्थिक सुधार में मदद मिलने से समग्र रीसाइक्लिंग गतिविधि बाधित हो सकती है।

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon (East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

प्रतिभूति बाजार में निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ लें। सेबी द्वारा दिया गया पंजीकरण और एनआईएसएम से प्रमाणन किसी भी तरह से मध्यस्थ के प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है या निवेशकों को रिटर्न का कोई आश्वासन नहीं देता है। उद्धृत प्रतिभूतियां केवल उदाहरण के लिए हैं और अनुशंसात्मक नहीं हैं। एसएमसी सेबी द्वारा पंजीकृत एक अनुसंधान विश्लेषक है जिसका पंजीकरण संख्या आईएनएच 100001849 है। सीआईएन: L74899DL1994PLC063609 है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है । एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है ।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित हैं। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें । रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं । यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए । रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है । इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए । यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है । सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए ।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है । सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा ।